RNI No. 26281/74 रजि. नं. पी.बी./जे.एल–011/2015-17

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

# आर्य मर्यादा

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रमुख पत्र

वर्ष: 75, अंक : 48 एक प्रति 2 : रुपये

रविवार 10 फरवरी, 2019

विक्रमी सम्वत् 2075, सृष्टि सम्वत् 1960853119

दयानन्दाब्द : 194 वार्षिक शुल्क : 100 रुपये

आजीवन शुल्क : 1000 रुपये

दूरभाष : 0181-2292926, 5062726

E-mail: apspunjab2010@gmail.com,

www.aryapratinidhisabha.org

वर्ष–75, अंक : 48, 7-10 फरवरी 2019 तदनुसार 28 माघ, सम्वत् 2075 मूल्य 2 रु०, वार्षिक 100 रु० आजीवन 1000 रु०

**आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के तत्वावधान में 3 फरवरी 2019 को श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कालेज बरनाला में प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन की झलंकिया चित्रों की जुबानी।**

श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कालेज बरनाला में पहुंचने पर आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन शर्मा जी का स्वागत करते हुये आर्य समाज बरनाला के प्रधान श्री सूर्यकान्त जी शोरी एवं श्री भारत भूषण मैनन जी एवं प्रिंसीपल श्रीमती नीलम शर्मा जी। उनके साथ खड़े हैं आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी, उप प्रधान श्री चौधरी ऋषिपाल सिंह जी एडवोकेट एवं अन्य

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर ध्वजारोहण के लिये जाते हुये सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं अन्य तथा ध्वजारोहण करते हुये सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन से पूर्व आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मास्टर रामपाल जी आर्य के साथ मंत्रणा करते हुये आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा जी।

सभागार में दाखिल होने पर पुष्प वर्षा कर आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन शर्मा जी का स्वागत करती हुई कालेज की छात्राएं।

सभागार में उपस्थित होने पर हाथ जोड़ कर अभिवादन करते हुये सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन शर्मा जी।

सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी को ओ३म का पटका पहनाते हुये सभामहामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी जबकि उनके साथ खड़े हैं सभामंत्री श्री भारतभूषण मेनन।

ज्योति प्रज्ज्वलित करके प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का शुभारम्भ करते हुये आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी जबकि उनके साथ खड़े हैं दाएं से बाएं आर्य समाज बरनाला के प्रधान श्री सूर्यकान्त जी शौरी, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी, सभा उप प्रधान श्री मुनीष सहगल जी, वैदिक प्रवक्ता श्री राजू वैज्ञानिक जी, सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा जी, वरिष्ठ उप प्रधान श्री सरदारी लाल जी आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मास्टर रामपाल जी आर्य, स्वामी सूर्यदेव जी, कॉलेज प्रिंसीपल श्रीमती नीलम शर्मा जी एवं अन्य।

# पंजाब की सभी आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं का हार्दिक धन्यवाद

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब द्वारा पंजाब के तत्वावधान में पंजाब की सभी आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेज बरनाला में 3 फरवरी 2019 को पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस महासम्मेलन में पंजाब की समस्त आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं का भरपूर सहयोग मिला। यह भव्य समारोह अपने आप में एक ऐतिहासिक था। इस भव्य समारोह की शोभा देखते ही बनती थी। लोगों में एक अलग ही उत्साह दिखाई दे रहा था। आर्यों के विशाल जनसमूह की भव्य उपस्थिति से पण्ड़ाल का भव्य दृश्य देखने योग्य था। पदमभूषण से सम्मानित महाशय धर्मपाल जी इस सम्मेलन के मुख्य आकर्षण थे। 96 वर्ष की आयु में उनका जोश देखकर सभी आर्यजन उत्साह से भरे हुए थे। इस समारोह को सफल बनाने के लिए पंजाब की सभी आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं का भरपूर सहयोग मिला है। इस भव्य आर्य महासम्मेलन से लोगों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है तथा अपने संगठन की शक्ति अहसास हुआ है। यह महासम्मेलन लोगों में आशा की किरण जगा गया है कि अगर इसी प्रकार से कार्य किया गया तो निश्चय ही आर्य समाज को एक नया रूप मिलेगा और महर्षि दयानन्द के सिद्धान्तों का तथा वेद की पवित्र वाणी का घर-घर में प्रचार होगा। आर्य समाज का भी यही उद्देश्य है कि लोग अपनी संस्कृति, सभ्यता और अपनी मातृभूमि के प्रति जागरूक हों। यह आर्य महासम्मेलन आर्यों में अपनी एक अलग छाप छोड़ गया है तथा सभी यहाँ से एक नई शक्ति लेकर गए हैं। यह सब कार्य कोई भी अकेला नहीं कर सकता। इसके लिए सबके सहयोग की आवश्यकता होती है और मुझे यह देखकर अत्यन्त खुशी है कि पूरे पंजाब की आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं एवं आर्यों ने अपना पूरा सहयोग इस महासम्मेलन की सफलता के लिए दिया है। इसके लिए सभी आर्य समाजों के अधिकारी, सदस्य तथा अन्य कार्यकर्ता बधाई एवं धन्यवाद के पात्र हैं। इसके साथ ही दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, महामंत्री श्री विनय आर्य जी, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य जी का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस अवसर पर पधार कर हमारा उत्साहवर्धन किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का इस भव्य आर्य महासम्मेलन को मनाने का यही उद्देश्य था कि लोगों में महर्षि दयानन्द सरस्वती एवं उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज के प्रति जागरूकता बढ़े। समाज से कुरीतियों का नाश हो, लोग पाखण्ड़ और अन्धविश्वास में न भटकें, धर्म के नाम पर होने वाला व्यवसाय बन्द हो। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का हर संभव प्रयास है कि आर्य समाज के लक्ष्य और उद्देश्य की प्रति आम जनता को जागृत किया जाए। इसके लिए सभा में वैदिक साहित्य आधे मूल्य पर दिया जाता है। पंजाब प्रान्त के साथ-साथ अन्य प्रान्तों के लोग भी सभा कार्यालय में प्रचारार्थ साहित्य लेने के लिए आते हैं। अगर सभी आर्य सिद्धान्तों के अनुसार चलें तो समाज से पाखण्ड़, अन्धविश्वास को समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए लोगों के अन्दर अपने धर्मग्रन्थों के प्रति, वेदों को पढ़ने के प्रति भावना पैदा करनी होगी। आर्य समाज के तीसरे नियम में महर्षि दयानन्द जी ने वेदों की महिमा का संदेश देते हुए लिखा है कि वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है। वेद का पढ़ना-पढ़ाना और सुनना सुनाना सब आर्यों का परम धर्म है। हमें विचार करना है कि हम आर्य लोग उस परम धर्म का पालन कर रहे हैं या नहीं। अगर हम उस परम धर्म का पालन रकना चाहते हैं तो हमें लोगों का वेदों के पढ़ने के लिए जागरूक करना होगा। वेद की शिक्षाओं के आधार पर ही विश्व का कल्याण हो सकता है। वेद की शिक्षाएं सार्वभौम हैं किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं है। इसीलिए आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के द्वारा वेदों के सैट अर्थ सहित आधे मूल्य पर लोगों का उपलब्ध कराए जाते हैं। लोगों में वेदों के विषय में जो भ्रान्तियां फैली हुई हैं, उन भ्रान्तियों का निराकरण तभी होगा जब वे स्वयं वेदों को देखेगें, पढ़ेगें व उसके अनुसार जीवन में कर्म करेंगे। इसके साथ ही आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब सभी वेद प्रचार के प्रति संकल्पबद्ध संस्थाओं एवं गुरूकुलों को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देती रहती है ताकि वेद प्रचार का कार्य निरन्तर अबाध गति से चलता रहे।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के तत्वावधान में इससे पूर्व लुधियाना और नवांशहर में भव्य आर्य महासम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के यशस्वी प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी के नेतृत्व में आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब निरन्तर आगे बढ़ रही है। 3 फरवरी 2019 को जिस उत्साह और लग्न के साथ पंजाब की समस्त आर्य समाजों ने बढ़-चढ़ कर आर्य महासम्मेलन में भाग लिया उससे सभी आर्यों को एक प्रेरणा मिली है। इस अवसर पर पंजाब भर से आए हुए आर्यजनों का उत्साह देखने योग्य था। संगच्छध्वं संवदध्वं की भावना से ही आर्य समाज की उन्नति हो सकती है, आर्य समाज के कार्य को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस भावना का सम्पूर्ण दृश्य वहां पर देखने को मिला। लोकैषणा को त्याग कर निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य ही समाज के लिए फलदायक सिद्ध होता है। छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा सभी कार्य आपसी सहयोग और उत्साह के साथ ही सम्पन्न होते हैं। इस आर्य महासम्मेलन में आकर आप लोगों से अपने सहयोग, उत्साह एवं समर्पण का परिचय दिया है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब आप सबके सहयोग से आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी और वेद प्रचार के कार्यों को इसी प्रकार जारी रखेगी। अंत में मैं सभी आर्य समाजों, एवं शिक्षण संस्थाओं के अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस भव्य आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। इस महासम्मेलन की सफलता सभी आर्यजनों की सफलता है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब आप सभी के सहयोग से भविष्य में भी इसी प्रकार वेद प्रचार के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। सभा आप सबके सहयोग से ही आगे बढ़ रही है। सभी आर्यजनों ने जिस उत्साह और उमंग के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया उसके लिए वे सभी धन्यवाद के पात्र है। आगे भी आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब आपसे इसी प्रकार के सहयोग की कामना करती है। सभी आर्य समाजें एकजुट होकर वेद प्रचार के कार्य में लग जाएं, महर्षि दयानन्द के सन्देश को घर-घर पहुंचाने का प्रयास करें, सभी आर्यजन आर्य समाज के दस नियमों का पालन करते हुए आर्य समाज की उन्नति के लिए कार्य करें। सभा के द्वारा आपका हर सम्भव सहयोग किया जाएगा। वेद प्रचार करना हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। इस लक्ष्य को लेकर सभी आर्य समाजें अपने-अपने क्षेत्र में वेद प्रचार का कार्य करें।

**प्रेम भारद्वाज**
**संपादक एवं सभा महामन्त्री**

## पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न

समाज समराला, आर्य समाज मोगा, आर्य समाज बंगा, आर्य समाज गौशाला रोड फगवाड़ा, आर्य समाज बंगा रोड फगवाड़ा, आर्य समाज औहरी चौक बटाला, आर्य समाज तलवाड़ा टाउनशिप, आर्य समाज रायकोट, आर्य समाज बरनाला, आर्य समाज तपा, आर्य समाज मालेरकोटला ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इसके अतिरिक्त भी पंजाब की कई आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारी, प्राचार्य एवं स्टाफ ने प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में बढ़ चढ़ कर भाग लिया।भाग लिया। इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिये श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कालेज बरनाला की प्रिंसीपल श्रीमती नीलम शर्मा जी एवं कालेज स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त आर्य समाज बरनाला के प्रधान श्री सूर्यकान्त जी शोरी एवं श्री भारत भूषण मेनन जी ने इस सम्मेलन को सफल बनाने में पूरी सहायता की।

# पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के तत्वावधान में पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन 3 फरवरी 2019 को श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेज बरनाला में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पंजाब प्रान्त की सभी आर्य समाजों के प्रतिनिधियों एवं आर्यजनों ने भाग लिया। इस प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का शुभारम्भ संसार के सर्वश्रेष्ठ कर्म यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के पश्चात सभी आर्यजनों ने प्रातःराश ग्रहण किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलशन शर्मा का बरनाला पहुँचने पर आर्य समाज बरनाला के अधिकारियों एवं अन्य आर्य महानुभावों ने भव्य स्वागत किया और ध्वजारोहण स्थल पर ले गए। श्री सुदर्शन शर्मा जी के करकमलों के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। **ओ३म् का झंडा ऊँचा रहे, वेद की ज्योति जलती रहे** के नारों से आकाश गुंजायमान हो रहा था। लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेज की छात्राओं ने ध्वज गीत गाकर ओ३म् ध्वज की महिमा का वर्णन किया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी आर्यजन पण्ड़ाल में पहुंचे। श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेज की प्रबन्धक समिति एवं प्राचार्य, स्टॉफ तथा छात्राओं ने सभी आर्यजनों का पुष्पवर्षा द्वारा हार्दिक स्वागत किया। पूरा पण्ड़ाल खचाखच भरा हुआ था।

समारोह प्रारम्भ करने से पूर्व आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, स्वामी सुमेधानन्द जी सांसद सीकर राजस्थान, सभा महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज, कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान श्री रामपाल आर्य, श्री सूर्यकान्त शोरी, आचार्य राजू वैज्ञानिक, स्वामी सूर्यदेव तथा अन्य सभी गणमान्य अतिथियों के द्वारा ज्योति प्रज्वलन किया गया। पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन के संयोजक श्री सूर्यकान्त शोरी जी के द्वारा सभी अतिथियों का परिचय दिया गया तथा हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया आर्य मंच की कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज जी को आमन्त्रित किया। सभा महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज जी ने विधिवत मंच संचालन करते हुए पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के द्वारा आर्य महासम्मेलन की जो शृंखला प्रारम्भ की गई है, उस शृंखला में यह तीसरा पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन है। इससे पूर्व आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के तत्वावधान में लुधियाना तथा नवांशहर में भी भव्य आर्य महासम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है और आगे भी यह शृंखला इसी प्रकार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब सभा के यशस्वी प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी के नेतृत्व में सम्पूर्ण पंजाब में वेद प्रचार की गति को तीव्र करने के लिए प्रयासरत है। सर्वप्रथम श्री लाल बहादुर महिला कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर सभी का स्वागत किया। स्वागत गीत के पश्चात आर्य जगत के उच्चकोटि के विद्वान् आचार्य राजू वैज्ञानिक जी को अपना उद्बोधन देने के लिए आमन्त्रित किया। आचार्य जी ने अपने उद्बोधन में आर्य समाज के सिद्धान्तों की महत्ता को बताते हुए उन्हें अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सभी आर्यों को वेद का ज्ञान, ओ३म् का ध्यान, यज्ञ का विधान, संस्कारी संतान और राष्ट्र हित बलिदान इन पाँच बातों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। सच्चा आर्य वही है जो इन बातों को अपने जीवन में स्थान देता है और आर्य समाज की उन्नति के लिए कार्य करता है। आचार्य जी के उद्बोधन के पश्चात मंच संचालक ने सुमधुर भजनोपदेशक श्री दिनेश पथिक जी को अपने भजन प्रस्तुत करने के लिए आमन्त्रित किया। श्री पथिक जी ने सर्वप्रथम महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के काशी शास्त्रार्थ से सम्बन्धित भजन सुनाया और उसके पश्चात देशभक्ति के भजनों की शृंखला प्रारम्भ करके सभी आर्यजनों के अन्दर जोश और उत्साह का संचार किया। श्री दिनेश पथिक जी के मधुर भजनों को सुनकर सभी आर्यजन झूम रहे थे। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान श्री रामपाल आर्य जी ने आर्यजनों को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के अधिकारियों को इस सफल आर्य महासम्मेलन के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि हम सभी को मिलकर आर्य समाज को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करना है। संगच्छध्वं, संवदध्वं की भावना को जीवन में धारण करके ही आर्य समाज की उन्नति हो सकती है। उन्होंने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा द्वारा वेद प्रचार के लिए 14 वेद प्रचार रथ निर्मित किए गए हैं जो निरन्तर वेद प्रचार कार्य में संलग्न हैं। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के आर्य वीर दल के अधिष्ठाता स्वामी सूर्यदेव जी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों पर विचार करना चाहिए।

इस पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में सभी का आकर्षण पदमभूषण से सम्मानित महाशय धर्मपाल जी रहे। महाशय धर्मपाल जी के साथ दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य तथा महामन्त्री श्री विनय आर्य जी उपस्थित हुए। महाशय धर्मपाल जी के स्वागत के लिए पूरा पण्ड़ाल उमड़ पड़ा। इस अवसर पर आर्यजनों का उत्साह देखते ही बनता था। हर कोई उनके साथ चित्र खींचने के लिए व्याकुल था। महाशय धर्मपाल जी ने मंच पर पहुंचकर **मेरा रंग दे बसन्ती चोला** देशभक्ति के गीत पर नाचना शुरू कर दिया। 96 वर्ष की उम्र में महाशय धर्मपाल जी का जोश देखकर सभी आर्यजनों में जोश और उत्साह का संचार हो गया। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी ने महाशय धर्मपाल जी, श्री धर्मपाल आर्य तथा श्री विनय आर्य जी का स्वागत किया। पंजाब प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राजस्थान से पधारे सांसद स्वामी सुमेधानन्द जी ने कहा कि हम सभी को महर्षि दयानन्द का सच्चा सिपाही बनकर आर्य समाज का कार्य करना चाहिए। आर्य समाज की उन्नति तभी हो सकती है जब हम सभी आर्य मनसा, वाचा, कर्मणा एक होकर कार्य करेंगे। उन्होंने सभी आर्यजनों को आर्य सिद्धान्तों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी और कृण्वन्तो विश्वमार्यम् का लक्ष्य सामने रखकर आगे बढ़ने को कहा। आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने सभी आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। श्री विनय आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम तीनों सभाएं मिलकर आर्य जगत को एक नई दिशा देने के लिए प्रयासरत हैं। हमारा उद्देश्य आर्य समाज की उन्नति करना है, वेद की ज्योति को घर-घर तक पहुंचाना है और महर्षि दयानन्द के सिद्धान्तों का प्रचार-प्रसार करना है। इस अवसर पर महाशय धर्मपाल जी को आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के अधिकारियों द्वारा भारत सरकार के द्वारा पदम्भूषण से सम्मानित करने पर हार्दिक बधाई दी और उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी ने महाशय धर्मपाल जी का प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में पधारने पर विशेष रूप से धन्यवाद किया। सभी मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य महानुभावों को सम्मानित किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी ने सभी मुख्य अतिथियों एवं आर्यजनों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब आप सबके सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती है। मैं आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब की ओर से आप सभी का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ और भविष्य में भी इसी प्रकार आपके सहयोग की कामना करता हूँ। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब वेद प्रचार के लिए सदैव प्रयासरत है। शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया और सभी आर्यजनों से ऋषि लंगर ग्रहण किया। इस अवसर पर आर्य समाज भार्गव नगर जालन्धर, आर्य समाज बस्ती बाबा खैल जालन्धर, आर्य समाज बस्ती दानिशमंदा जालन्धर, आर्य समाज माडल हाउस जालन्धर, आर्य समाज बस्ती गुजां जालन्धर, आर्य समाज शास्त्री नगर जालन्धर, आर्य समाज आर्य नगर जालन्धर, आर्य समाज गांधी नगर1, जालन्धर, आर्य समाज गांधी नगर-2 जालन्धर, आर्य समाज संत नगर जालन्धर, आर्य समाज शहीद भगत सिंह नगर जालन्धर, आर्य समाज राजपुरा, आर्य समाज चौक पटियाला, आर्य समाज घिलौड़ी गेट पटियाला, आर्य समाज सन्नौर, आर्य समाज धूरी, आर्य समाज संगरूर, आर्य समाज मानसा, आर्य समाज चौक बठिंडा, आर्य समाज सिरकी बाजार बठिंडा, आर्य समाज सिकन्दरपुरा बठिंडा, आर्य समाज बरेटा, आर्य समाज बुडलाढ़ा, आर्य समाज जैतों, आर्य समाज कोटकपूरा, आर्य समाज फरीदकोट, आर्य समाज फाजिल्का, आर्य समाज अबोहर, आर्य समाज लुधियाना रोड फिरोजपुर, आर्य समाज गुरुकुल विभाग, बांसी गेट फिरोजपुर, आर्य समाज जीरा, आर्य समाज नवांशहर, आर्य समाज मोरिण्डा, आर्य समाज होशियारपुर, आर्य समाज स्वामी श्रद्धानंद बाजार लुधियाना, आर्य समाज महर्षि दयानन्द बाजार लुधियाना, स्त्री आर्य समाज महर्षि दयानन्द बाजार लुधियाना, स्त्री आर्य समाज साबुन बाजार लुधियाना, आर्य समाज हबीवगंज लुधियाना, आर्य समाज जवाहर नगर लुधियाना, आर्य समाज बैक फील्डगंज लुधियाना, आर्य समाज अग्र नगर लुधियाना, आर्य समाज मिलरगंज लुधियाना, आर्य समाज फोकल प्वायंट लुधियाना, आर्य (शेष पृष्ठ तीन पर)

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के तत्वावधान में 3 फरवरी 2019 दिन रविवार को श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कालेज बरनाला में हुये प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में मंच पर पहुंचने के बाद उत्साहित होकर नृत्य करते हुये महाशय धर्मपाल जी जबकि उनके साथ दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी, श्री संजीव शोरी जी प्रधान म्युनिसिपल कौंसिल बरनाला एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कालेज बरनाला की प्रिंसीपल श्रीमती नीलम शर्मा जी।

महाशय धर्मपाल जी के साथ सामूहिक चित्र खिंचवाते हुए आर्यजन

सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी महाशय धर्मपाल जी के साथ मन्त्रणा करते हुए।

मंच पर विराजमान श्री भारत भूषण मैनन, दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, पंजाब सभा के महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज, सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा, महाशय धर्मपाल जी एवं हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य जी।

मंच पर विराजमान महाशय धर्मपाल, हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य एवं दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में ज्योति प्रज्जवलित करते हुये हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल जी, उनके साथ हैं सभाप्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, उप प्रधान श्री सरदारी लाल जी एवं स्वामी सूर्यदेव जी।

मंच का संचालन करते हुये आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में उपस्थित श्रीमती इन्दु पुरी जी मोगा एवं श्रीमती गुलशन शर्मा जी जालन्धर।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में आर्य जनता को सम्बोधित करते हुये आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में भजन प्रस्तुत करते हुये श्री दिनेश पथिक जी जबकि सभागार में उपस्थित अपार जनसमूह उनके भजन सुनते हुये।

आर्य जनता को सम्बोधित करते हुये स्वामी सुमेधानन्द जी सीकर वाले।

आर्य जनता को सम्बोधित करते हुये वैदिक प्रवक्ता श्री राजू वैज्ञानिक।

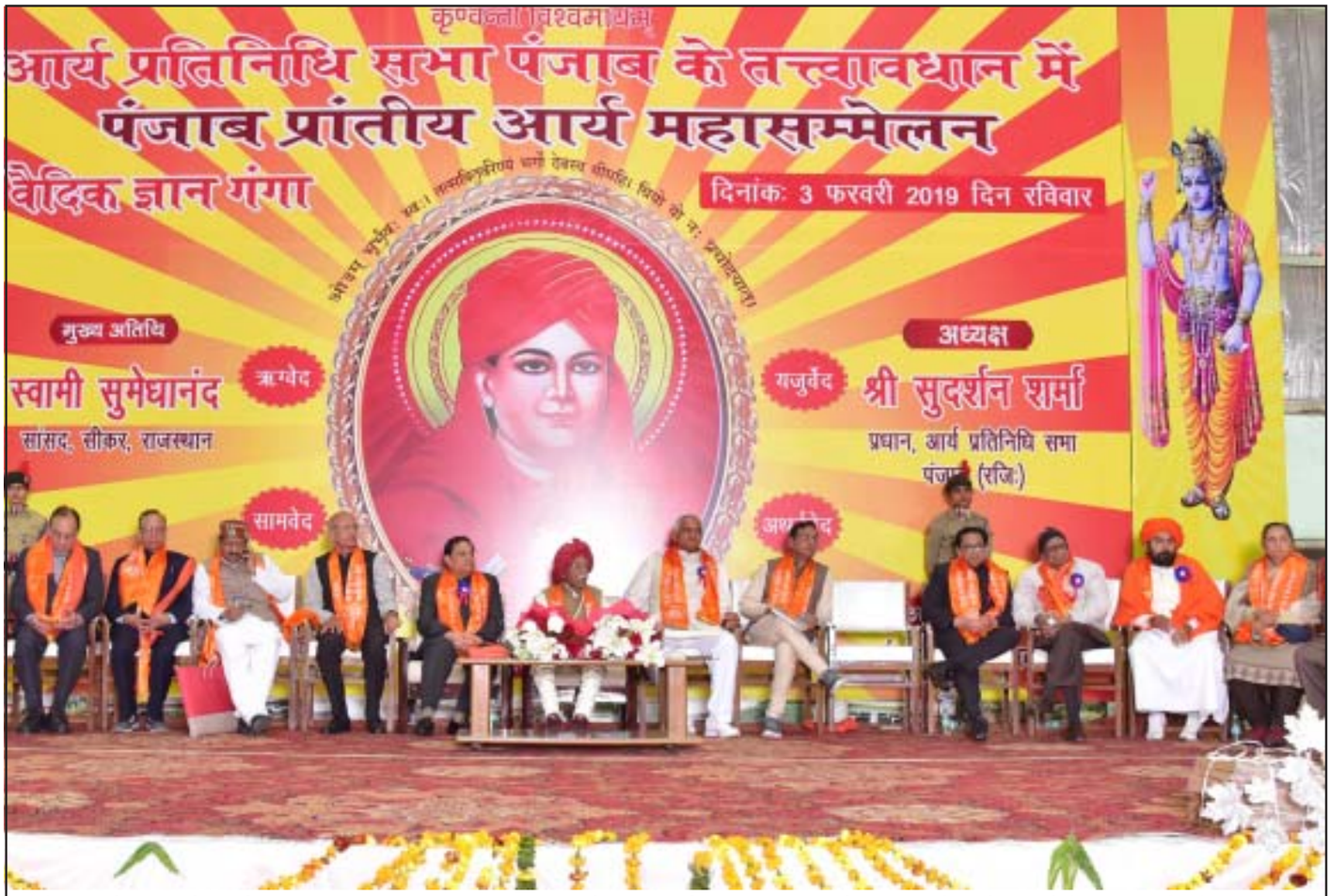


प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर मंच पर विराजमान बाएं से दाएं आर्य समाज बरनाला के प्रधान श्री सूर्यकांत शोरी, सभा मंत्री श्री भारत भूषण मैनन, दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, महाशय धर्मपाल जी, हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य, दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य, सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा, वरिष्ठ सभा उप प्रधान श्री सरदारी लाल जी, स्वामी सूर्यदेव जी, उप प्रधाना श्रीमती राजेश शर्मा जी।

महाशय धर्मपाल जी को सम्मानित करते हुये आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी एवं हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य जी। उनके साथ खड़े हैं पंजाब सभा के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी एवं दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी।

आर्य जनता को सम्बोधित करते हुये दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में स्मारिका का विमोचन करते हुये मंच पर विराजमान स्वामी सुमेधानन्द जी, सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी, महाशय धर्मपाल जी, दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य, महामंत्री श्री विनय आर्य, हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य, सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा जी, श्री सूर्यकान्त जी शोरी, स्वामी सूर्यदेव जी, उप प्रधान श्री सरदारी लाल आर्य, श्रीमती राजेश शर्मा उप प्रधाना, श्री स्वतंत्र कुमार उप प्रधान, चौधरी ऋषिपाल सिंह एडवोकेट उप प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज जी।

आर्य जनता को सम्बोधित करते हुये महाशय धर्मपाल जी।

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी धन्यवाद करते हुये।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में उपस्थित अपार जनसमूह।

प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में उपस्थित अपार जनसमूह।

श्री प्रेम भारद्वाज महामन्त्री, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक द्वारा गायत्री प्रिंटिंग प्रैस, मण्डी रोड जालन्धर से मुद्रित होकर आर्य मर्यादा कार्यालय, गुरुदत्त भवन, चौक किशनपुरा, जालन्धर से इसकी स्वामिनी आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के लिए प्रकाशित हुआ। **E-mail: apspunjab2010@gmail.com, www.aryapratinidhisabha.org**
आर्य मर्यादा में प्रकाशित सारी लेखन सामग्री से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। प्रत्येक विवाद के लिए न्याय क्षेत्र जालन्धर होगा।